सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 50 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 22 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

अपने लक्ष्य को लेकर महत्वाकांक्षी होने से डरो मत कड़ी मेहनत कभी नहीं रुकती न ही तुम्हारे सपने रुकने चाहिए।

-ड्वेन जॉनसन

आज से शुरू होगा क्रिकेट के त्यौहार... 7 | देश में सजने लगी है चुनावी... 3 | चुनावी बॉण्ड योजना सबसे बड़ा... 2

देश में पहला स्थान आने पर NDTV पर छाये संजय शर्मा

बताया चैनल की उपलब्धि का राज

क्वॉलिटी ऑफ कंटेंट है यूट्यूब का किंग

» लगातार जारी हैं 4पीएम के सत्ता से सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सत्ता से सवाल करने की आदत और सच को दिखाने की अपनी जिद के बलबूते 4पीएम का यूट्यूब चैनल आए दिन सफलता की नई सीढ़ियों को चढ़ रहा है। नए कीर्तिमान लिख रहा है। लोगों के प्यार और सत्ता से सवाल करने की ताकत का ही नतीजा है कि 4पीएम देशभर में नंबर वन यूट्यूब चैनल बना हुआ है। वर्तमान समय में 4पीएम 33 लाख से भी ज्यादा सब्सक्राइबर्स और 19 लाख से भी ज्यादा व्यूज़ के साथ नंबर वन बना हुआ है।

तभी तो अब देश के लीडिंग टीवी न्यूज चैनल भी 4पीएम और उसके संपादक संजय शर्मा का लोहा मान रहे हैं। इसी क्रम में देश में पहले स्थान पर आने पर 4पीएम के संपादक संजय शर्मा को एनडीटीवी के शो 'हम लोग' में बतौर मेहमान बुलाया गया। जहां उन्होंने 4पीएम के सफर व यूट्यूब की दुनिया के बारे में लोगों से जानकारी साझा की। इस दौरान संजय शर्मा ने यूट्यूब की कई बारीकियों से लोगों को अवगत कराया। साथ ही 4पीएम की ताकत और सत्ता से सवाल करने की जिद के बारे में भी बताया। इस दौरान 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने बताया कि किस तरह से उनके अखबार पर सरकार के द्वारा हमले कराए गए, उन्हें डराने व धमकाने का प्रयास किया गया। लेकिन वो सत्ता के दबाव में नहीं आए और अपनी आवाज को अधिक मुखर करने के लिए प्रिंट के साथ-साथ यूट्यूब की दुनिया में भी आ गए। यूट्यूब पर भी संजय शर्मा ने इसी निडरता के साथ सत्ता से सवाल किए और सच को दिखाना जारी रखा। संजय शर्मा ने उन पर दबाव बनाने वाले व उन्हें धमकाने वाले अधिकारियों का शुक्रिया अदा किया कि अगर वो ऐसा न करते तो शायद उनके अंदर इतनी हिम्मत न आती और 4पीएम देश में नंबर एक पर न पहुंच पाता।

ऐसे शुरू हुए 4पीएम के क्षेत्रीय चैनल

इस दौरान संजय शर्मा ने बताया कि कैसे यूपी चुनाव के वक्त उनके 4पीएम चैनल को अचानक बंद करवा दिया गया था। जिसके बाद तुरंत ही उन्होंने 4पीएम यूपी के नाम से एक नया चैनल खड़ा कर दिया और देखते-देखते 4पीएम यूपी भी लोकप्रिय होता चला गया। यहीं से राज्यों के चैनल लाने की प्रेरणा मिली। आज 4पीएम नेशनल के अलावा 9 राज्यों के क्षेत्रीय चैनल भी हैं। जिनमें 4पीएम यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, 4पीएम गुजरात और इसके अलावा 4पीएम बॉलीवुड का भी चैनल शामिल है।

लोगों के बीच जाकर दिखाया लोगों का दर्द

संजय शर्मा ने बताया कि यूट्यूब के लिए कमिटमेंट कितना जरूरी है। वो पिछले चार साल से एक भी दिन ब्रेक लिए बगैर सुबह 6 बजे अपना शो लेकर आते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि यूट्यूब के लिए कंटेंट जुटाना काफी कठिन काम है, क्वालिटी ऑफ कंटेंट ही यूट्यूब का किंग है। इसके लिए उनकी टीम काफी मेहनत करती है। उन्होंने बताया कि कैसे 4पीएम लोगों के बीच जाता है, लोगों की बात करता है और लोगों के दर्द को बांटता है, तभी वो देश में नंबर वन बना हुआ है।

देश के साथ-साथ विदेशों में भी लोकप्रिय बना हुआ है 4पीएम

सरकार जो बताती है वो विज्ञापन है, लेकिन सरकार जो छुपाती है वो खबर है। हमें वो ही खबर दिखानी है। क्योंकि सरकार की अच्छाइयां बताने के लिए तो उसके विभाग हैं। लेकिन उसकी कमियां दिखाना और उससे सवाल करना ही पत्रकारिता है। हम 2014 से पहले भी ये ही काम कर रहे थे और आज भी सरकार से ही सवाल जारी हैं। यही वजह है कि 4पीएम को भारत के साथ-साथ विदेशों में भी काफी देखा जा रहा है। फिर वो चाहें लंदन हो, अमेरिका हो, ऑस्ट्रेलिया हो या फिर खाड़ी देश हों, 4पीएम अपनी पहुंच बनाए हुए है।

चुनावी मौसम में केजरीवाल की गिरफ्तारी ने लाया भूचाल

» एकजुट हुए विपक्ष ने बताया लोकतंत्र पर हमला

» दिल्ली शराब घोटाले में केजरीवाल की गिरफ्तारी से गरमायी सियासत

» देशभर में जारी आप का प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कथित दिल्ली शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद अब देश की सियासत में उबाल आ गया है। चुनावी मौसम में केजरीवाल की गिरफ्तारी ने एक नई हलचल पैदा कर दी है। भाजपा जहां इस गिरफ्तारी को भ्रष्टाचार पर जीत बता रही है, तो वहीं विपक्ष केजरीवाल की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला और डरे हुए तानाशाह के हार का डर बता रहा है।

चुनावी वक्त में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कई सवाल खड़े करती है। वहीं देखना ये है कि विपक्ष केजरीवाल की गिरफ्तारी का कितना लाभ उठा पाता है। केजरीवाल के गिरफ्तार होते ही आम आप मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। संभव है कि ईडी 10 दिन की कस्टडी की मांग कर सकती है।

केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से वापस ली याचिका

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है। उन्होंने इस याचिका में ईडी की ओर से की गई गिरफ्तारी का विरोध किया था। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि दरअसल केजरीवाल की रिमांड और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष उनकी याचिका एक दूसरे से क्लैश कर रही थी। इसलिए हमने याचिका वापस लेने का फैसला किया।

एक नई क्रांति को जन्म देगी ये गिरफ्तारी : अखिलेश

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने केजरीवाल की गिरफ्तारी पर सोशल मीडिया पर लिखा, जो खुद हैं शिकस्त के खौफ में कैद, 'वो' क्या करेंगे किसी और को कैद। भाजपा जानती है कि वो फिर दुबारा सत्ता में नहीं आने वाली, इसी डर से वो चुनाव के समय, विपक्ष के नेताओं को किसी भी तरह से जनता से दूर करना चाहती है, गिरफ्तारी तो बस बहाना है। ये गिरफ्तारी एक नयी जन-क्रांति को जन्म देगी।

हिरासत में लिए गए प्रदर्शन कर रहे आप कार्यकर्ता

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी सड़कों पर उतर आई है। प्रोटेस्ट कर रहे पार्टी के वरिष्ठ नेता आतिशी और सौरभ भारद्वाज को हिरासत में लिया गया है। इसके साथ ही इमरान हुसैन और पंजाब के मंत्री हरजोत बैंस को भी डिटेन किया गया है। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें बस में बैठा कर हिरासत में लिया।

डरा हुआ तानाशाह, मरा हुआ लोकतंत्र बनाना चाहता है : राहुल

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर पूरा विपक्ष एकजुट हो गया है और भाजपा की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए इसे लोकतंत्र पर हमला बता रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का कहना है कि डरा हुआ तानाशाह, एक मरा हुआ लोकतंत्र बनाना चाहता है। मीडिया समेत सभी संस्थाओं पर कब्जा, पार्टियों को तोड़ना, कंपनियों से हफ्ता वसूली, मुख्य विपक्षी दल का अकाउंट फ्रीज करना भी 'असुरी शक्ति' के लिए कम था, तो अब चुने हुए मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी भी आम बात हो गई है। INDIA इसका मुंहतोड़ जवाब देगा।

पीएम मोदी केजरीवाल से डरते हैं : आतिशी

केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप लगातार प्रदर्शन कर रही है और मोदी सरकार पर तानाशाही व लोकतंत्र पर हमले करने के आरोप लगा रही है। इस दौरान दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी मार्लेना ने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद केजरीवाल की गिरफ्तारी से पता चलता है कि पीएम मोदी उनसे डरते हैं। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी को लोकतंत्र की हत्या बताया। आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी बीजेपी के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी, हम इसके खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे।

भाजपा हटेगी तभी बचेगा लोकतंत्र : अखिलेश

बूथ की सुरक्षा पर भी ध्यान दें कार्यकर्ता

» भाजपा ने कोरोना वैक्सीन बनाने वाली दवा कंपनी तक से वसूला चंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं तथा मतदाताओं से आग्रह करते हुए कहा कि वे सभी लोकसभा चुनाव-2024 में ज्यादा से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने के साथ-साथ बूथ की सुरक्षा को लेकर सावधान भी रहें। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि वह हटेगी तभी देश में लोकतंत्र बचेगा। पार्टी द्वारा जारी बयान के मुताबिक सपा के प्रदेश मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यादव ने कहा, पूरे देश की निगाहें उत्तर प्रदेश पर हैं।

उत्तर प्रदेश ही लोकसभा चुनाव में महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभाएगा। भाजपा की साजिश और षड्यंत्र से हमें सतर्क रहना है। उन्होंने कहा, हमें ज्यादा से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने के साथ-साथ बूथ की सुरक्षा को लेकर भी सावधान रहना है। भाजपा के किसी भी बहकावे में नहीं आना है। यादव ने आरोप लगाया, भाजपा चंदा वसूली और चंदा चोरी के मामले में बेनकाब हो चुकी है। भाजपा ने कोरोना वैक्सीन बनाने वाली दवा कंपनी तक से चंदा वसूल किया। पोल खुल जाने से बौखलाई भाजपा विपक्ष पर हमलावर है। सपा नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा अब विपक्षियों के कुछ बैंक खातों को भी फ्रीज (लेन-देन पर रोक लगाना) कर रही है। यादव ने कहा, देश में किसानों को हक दिलाने के लिए चौधरी चरण सिंह जी से बड़ा आज तक कोई नेता नहीं हुआ। उन्होंने सबसे पहले गरीब, किसान की आवाज उठाई थी और उनको हक दिलाने के लिए संघर्ष किया। हम सब उन्हीं के रास्ते पर चलने का काम मिलकर करेंगे। उन्होंने कहा, भाजपा हटेगी तो देश में लोकतंत्र बचेगा। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी का बनाया संविधान बचेगा। भाजपा होगी तो नौजवानों को नौकरी मिलेगी, किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलेगा।

चुनावी बॉण्ड योजना सबसे बड़ा घोटाला : सीताराम येचुरी

» चुनावों के लिए सरकारी वित्त पोषण की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता सीताराम येचुरी ने कहा है कि चुनावी बॉण्ड योजना स्वतंत्र भारत में सबसे बड़ा घोटाला है जिसमें माफिया की तरह उगाही हुई है। उच्चतम न्यायालय चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द कर चुका है। बॉण्ड को न्यायालय में चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं में माकपा भी शामिल थी। येचुरी ने कहा कि इस योजना को लेकर उनका विरोध सिद्धांतों पर आधारित है और चुनावों के लिए सरकार के वित्त पोषण से पारदर्शिता आ सकती है। येचुरी ने कहा, चुनावी बॉण्ड स्वतंत्र भारत में सबसे बड़ा घोटाला बन गया है।

इन चुनावी बॉण्ड को लेकर हमने जो अनुमान लगाया था, वही अब सामने आ रहा है। मैंने कहा था कि यह माफिया की तरह जबरन वसूली जैसा होगा। इसे अब हो रहे खुलासों से देखा जा सकता है। माकपा नेता ने कहा कि जब योजना की पहली बार घोषणा की गई थी तो उन्होंने आगाह किया था कि इससे साठगांठ के सौदे होंगे। उन्होंने कहा, काले धन से निपटने या उस पर नियंत्रण लगाने के बजाय, आप वास्तव में धन शोधन की अनुमति दे रहे थे। आप काले धन को सफेद में बदलने और वैध बनाने की अनुमति दे रहे थे। कंपनियों ने अपने सालाना मुनाफे से कई गुना ज्यादा कीमत के चुनावी बॉन्ड खरीदे। उन्होंने विभिन्न जांच एजेंसियों की जांच के घेरे में आई कंपनियों द्वारा खरीदे गए बॉण्ड का हवाला देते हुए कहा कि फर्जी कंपनियों का इस्तेमाल धन शोधन के लिए किया गया। येचुरी ने कहा, एक नई बात जो सामने आई है कि ऐसी दवा कंपनियों ने चुनावी बॉण्ड खरीदे जो उत्पादन के लिए गुणवत्ता नियंत्रण और मानदंडों का उल्लंघन करने को लेकर जांच के दायरे में हैं। यह खतरनाक है।

हार को देखते हुए कांग्रेस बहाने बना रही : प्रसाद

» खातों को फ्रीज करने के आरोपों पर भाजपा का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि बैंक खातों को लेकर आयकर विभाग की कार्रवाई को कांग्रेस द्वारा लोकतंत्र को फ्रीज करना करार देना देश का अपमान है। साथ ही पार्टी ने दावा किया कि इस मसले पर सरकार पर हमले कर विपक्षी पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में आसन्न हार को देखते हुए हताशा में बहाने बना रही है।

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और सोनिया गांधी पर भी निशाना साधा तथा कहा कि दोनों ने अपनी बेहद गैर जिम्मेदाराना और शर्मनाक टिप्पणियों से विश्व स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को शर्मसार किया है। प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस के बैंक खाते फ्रीज किए जाने को लेकर राहुल गांधी को अदालत और निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं पर आक्षेप लगाने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उनकी तीखी टिप्पणी पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं द्वारा एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करने और आईटी कार्रवाई को लेकर सरकार की आलोचना करने के बाद आई। राहुल गांधी ने कहा, आज भारत में कोई लोकतंत्र नहीं है और भारत के दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने की बात पूरी तरह झूठ है। प्रसाद ने प्रधानमंत्री को विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय नेता बताते हुए कहा कि वे मोदी को जितनी गालियां देंगे, कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) उतना ही खिलेगा।

कांग्रेस की उप्र इकाई ने रखा प्रस्ताव

गांधी परिवार के सदस्य अमेठी रायबरेली से लड़ें चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) के समक्ष प्रस्ताव दिया कि अमेठी और रायबरेली लोकसभा क्षेत्रों से गांधी परिवार के सदस्य ही चुनाव लड़ें क्योंकि स्थानीय लोगों की यह मांग है। सीईसी ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की कई लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा की। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने पहली बार उत्तर प्रदेश के लिए लोकसभा चुनाव के संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की है।

कांग्रेस उत्तर प्रदेश में समाजवादी के पार्टी के साथ गठबंधन के तहत 17 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रही है। अमेठी और रायबरेली के बारे में पूछे जाने पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने संवाददाताओं से कहा, हमने प्रस्ताव दिया है और निर्णय पार्टी नेतृत्व को करना है। राहुल गांधी को उनके वर्तमान संसदीय क्षेत्र वायनाड (केरल) से उम्मीदवार घोषित किया जा चुका है। ऐसी अटकलें रही हैं कि राहुल गांधी वायनाड के साथ ही अमेठी और प्रियंका गांधी वाद्रा रायबरेली से चुनाव लड़ सकती हैं।

50 प्रतिशत टिकट युवाओं को दिए जाएंगे : जीतू पटवारी

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, हमने कहा था कि 50 प्रतिशत टिकट युवाओं को दिए जाएंगे। इसको दिमाग में रखकर फैसला किया गया है। फैसला सर्वसम्मति से हुआ है। उम्मीदवारों की सूची जारी हो सकती है। कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए अब तक 82 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। उसने पहली सूची में 39 और दूसरी सूची में 43 उम्मीदवार घोषित किए थे। कांग्रेस की पहली सूची में 15 उम्मीदवार सामान्य वर्ग और 24 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के थे। पार्टी की दूसरी सूची में 10 उम्मीदवार सामान्य वर्ग से जबकि 33 प्रत्याशी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों से थे।

जम्मू कश्मीर के लोगों के पास सिर्फ मतदान का अधिकार बचा : मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के पास मतदान ही एकमात्र शक्ति बची है क्योंकि भाजपा शासित केंद्र उनकी आवाज को दबाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। मुफ्ती ने यहां से करीब 55 किलोमीटर दूर अनंतनाग जिले में कहा, हर तरह के अन्याय हो रहे हैं और जम्मू-कश्मीर को जेल में तब्दील कर दिया गया है। यहां के लोगों की आवाज को दबाने के लिए अमित शाह ने पीडीपी को तोड़ दिया।

उन्होंने पीडीपी से विधायकों, मंत्रियों और सांसदों को छीन लिया ताकि वे पार्टी की आवाज दबा सकें। उन्होंने कहा, अब कश्मीर के लोगों के पास सिर्फ उनका मताधिकार ही बचा है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के अवैध निरस्तीकरण के बाद जम्मू-कश्मीर में कई दलों का गठन किया गया ताकि केंद्र अपने पसंदीदा नेताओं को संसद में भेज सके।पीडीपी प्रमुख ने कहा, अगर आप उसमें भी धांधली करना चाहते हैं तो यह अलग बात है। आप उन चहेते नेताओं को संसद में ले जाना चाहते हैं जिनकी पार्टियां 2019 के बाद बनी हैं। इसमें कोई क्या कर सकता है? उन्होंने कहा, यह देश के लोगों के सोचने की बात है कि यहां के लोगों को वोट की ताकत पर भरोसा करने में बहुत समय लगा था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

देश में सजने लगी है चुनावी बिसात

लालू व नीतीश ने कसी कमर, राजग भी मजबूती से लड़ेगा

» झारखंड व बिहार में दोनों गठबंधनों ने शुरू की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोकसभा चुनाव-24 के पहले चरण की अधिसूचना लग गई हैं। राजनैतिक दल नामाकंन की प्रक्रिया मे जाने की तयारी कर रहे हैं। इसी के साथ बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा व अन्य राज्यों में चुनावी बिसात बिछने लगी है। सियासी दल व नेता के प्रचार अभिया में तेजी से जंट गए हैं। राजग व विपक्षी गंठबंधन में सीटों पर माथा पच्ची जारी है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के बीच झारखंड में सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। सूत्रों के अनुसार, राज्य की 14 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस सात सीटों पर और झामुमो पांच सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। अन्य में माले के साथ आईएमएल के प्रत्याशी मैदान में होंगे।

बिहार में भी बात बनने का दावा राजद सांसद मनोज झा ने किया और कहा कि बातचीत सार्थक है और नतीजे जल्द सामने होंगे। वहीं, महाराष्ट्र प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी ने पेंच लगा दिया है। इसमें कोडरमा सीट को सीपीआई एमएल को दिए जाने की बात की जा रही है। वहीं राजद को चतरा सीट दी गई है। उधर लोकसभा चुनाव 2024 के लिए महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों का बंटवारा अटका हुआ है। दूसरी तरफ, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की 40 सीटों के बंटवारे के बाद अब पहले चरण के चुनाव के लिए प्रत्याशी के नाम अंतिम

तौर पर सामने आने लगे हैं। शुरुआत भूतपूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से हुई है। गया (आरक्षित) सीट पर उनके नाम की घोषणा उनकी पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा-सेक्युलर ने की। यही इकलौती सीट हम-से को मिली है। पिछले चुनाव में मांझी यहीं से प्रत्याशी थे, हार गए थे। महागठबंधन प्रत्याशी के रूप में उन्होंने यहां से किस्मत आजमायी थी, लेकिन 2019 के चुनाव में यहां से जनता दल यूनाईटेड के प्रत्याशी विजय कुमार ने करारी शिकस्त दी थी।

गया में जीतन राम मांझी ठोंकेंगे दांव

जीतन राम मांझी बिहार में मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वह गया से एनडीए की ओर से चुनावी मैदान में हैं। वह दलित समुदाय से आते हैं। बिहार की छह सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, जिनमें गया भी है। गया में पहले चरण के तहत लोकसभा चुनाव होना है। 20 मार्च को पहले चरण के चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। बिहार की इस सीट पर 28 मार्च तक नामांकन दाखिल होना है और नाम वापसी दो अप्रैल तक संभव है। पहले दिन किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। अब पिछले चुनाव में बिहार की 40 में से 39 सीटें जीतने वाले एनडीए के प्रत्याशी के रूप में जीतन राम मांझी नामांकन दाखिल करेंगे। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी यहां पहले चरण में ही मतदान हुआ था। इस बार 19 अप्रैल को मतदान है। पिछली बार यहां से जनता दल यूनाईटेड के प्रत्याशी विजय कुमार ने 48.77 प्रतिशत वोट हासिल किया था, जबकि महागठबंधन की ओर से हम-से प्रत्याशी जीतन राम मांझी यहां 32.85 फीसदी वोट ही हासिल कर सके थे। एनडीए में तब जनता दल यूनाईटेड, भारतीय जनता पार्टी और लोक जनशक्ति पार्टी की ताकत थी। एनडीए की ओर से जदयू प्रत्याशी विजय कुमार को 4.67 लाख वोट मिले थे। महागठबंधन में मौजूदा ताकत के अलावा हम-से और उपेंद्र कुशवाहा की तत्कालीन पार्टी भी थी। इस बार मांझी और कुशवाहा इस तरफ हैं। मांझी को पिछले चुनाव में महागठबंधन प्रत्याशी के रूप में 3.14 लाख वोट मिले थे। अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित सीट होने के नाते यहां कुमारी मायावती की बहुजन समाज पार्टी का भी यहां से प्रत्याशी देना लगभग तय माना जाता है। इस बार भी उम्मीद है। पिछली बार यहां से बहुजन समाज पार्टी ने दिलीप कुमार को प्रत्याशी बनाया था। बसपा प्रत्याशी को 13 हजार वोटों से संतोष करना पड़ा। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां उससे ज्यादा नोटा के नाम पर 30 हजार पड़े थे। मतलब, यह संख्या उन लोगों की थी, जिन्हें कोई प्रत्याशी पसंद नहीं आया। दो प्रत्याशियों को दो से ढाई प्रतिशत तक वोट आया था।

पिछले लोस चुनाव में भाजपा ने जीती थीं 14 में से 12 सीटें

पिछली बार राज्य की 14 सीटों में से 12 सीटों पर भाजपा गठबंधन ने जीत हासिल की थी। इसमें कांग्रेस के खाते में एक सीट गई थी। जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा विजयी हुई थी, लेकिन अब गीता कोड़ा भी भाजपा में शामिल हो गई हैं, ऐसे में राज्य में कांग्रेस की पकड़ खासी ढीली और हालत खस्ता है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी शुरू की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक झारखंड मुक्ति मोर्चा अगले एक दो दिन में लोकसभा की दुमका सीट पर फैसला लेगा, क्योंकि यहां से सोरेन की भाभी सीता सोरेन भाजपा में शामिल हो गई हैं। इसलिए चर्चाओं का बाजार गर्म है कि इस सीट को सुरक्षित करने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा किसी कद्दावर नेता हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन या पार्टी के संस्थापक शिबू सोरेन पर दुमका सीट पर दांव लगा सकता है। उधर, बिहार की 40 लोकसभा सीटों को लेकर राबड़ी देवी के आवास पर संसदीय बोर्ड की बैठक भी हुई है और इसमें लालू यादव को पार्टी के सभी सीटों पर उम्मीदवार तय करने के लिए अधिकृत कर दिया गया है। इस बीच दिल्ली में लगातार हो रहीं गठबंधन की बैठकों के मध्य सीटों का बंटवारा तय होता हुआ दिख रहा है। इसमें आरजेडी सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, इसमें राजद को 25 से 28 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के हिस्से में 8 से 9 सीट जाएंगी, भाकपा माले को दो सीट और भाकपा के हिस्से में एक सीट जा सकती है।

दुष्यंत ने किसानों के मुआवजे को लेकर बीजेपी को घेरा

» वोट बैंक खिसकने की आशंका के चलते जजपा ने बदली अपनी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भाजपा के साथ गठबंधन टूटते ही विपक्ष में आए जजपा नेता दुष्यंत चौटाला हरियाणा सरकार पर हमलावर हो गए हैं। चौटाला ने प्रदेश सरकार को फसल मुआवजा को लेकर लेकर घेरा है। उनका आरोप है कि मौजूदा सरकार किसानों को लेकर गंभीर दिखाई नहीं दे रही है। न तो सरकार किसानों को चुनाव आचार संहिता लगने से पहले फसल खराबे का मुआवजा दे पाई और न ही रबी फसल की खरीद प्रबंधन पर कोई फैसला ले रही। वहीं, वोट बैंक खिसकने की आशंका के चलते जजपा ने अपनी रणनीति बदल ली है और दर्सों सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला लिया है।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जजपा लोकसभा चुनाव मैदान में पूरे हौसले और मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दिनों में जजपा ने सभी 10 लोकसभा के पदाधिकारियों के साथ चुनाव लड़ने के विषय पर विस्तार से चर्चा की है और गुरुवार से हलका स्तर के पदाधिकारियों के साथ भी जजपा प्रभारी और जिला अध्यक्ष बैठकें करेंगे।उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव लड़ने का समर्थन कर रहे हैं।

राज ठाकरे के करीब आना भाजपा की सधी चाल

मुख्यमंत्री शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे आज मुलाकात कर रहे हैं। इससे पहले राज ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस की भी गुप्त बैठक हुई। लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में महाराष्ट्र में महागठबंधन की सीटों के बंटवारे को लेकर हलचल तेज हो गई है। ऐसी संभावना है कि मनसे महायुति में भाग लेगी और यह चर्चा राज ठाकरे की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद छिड़ गई है। इसमें मुख्यमंत्री शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे आज मुलाकात कर रहे हैं। इससे पहले बुधवार देर रात राज ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस की भी गुप्त बैठक हुई। राज ठाकरे से मुलाकात के बारे में बात करते हुए देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा कि हमारी मुलाकात देर से हुई या जल्दी? इस जाल में क्यों पड़ें? मुलाकातें होती रहती हैं। उन्होंने जगह आवंटन को लेकर भी एमवीए पर निशाना साधा। फडणवीस ने इन बातों का खंडन किया कि वे पिछले ढाई महीने से बैठकें कर रहे हैं लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया गया है। महायुति के सीट बंटवारे के फॉर्मूले और चर्चा के बारे में बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि पहली बैठक में 80 फीसदी सीटों पर फैसला हो चुका है। पहले चरण का उम्मीदवार फाइनल है लेकिन हम जल्द ही सब फाइनल कर लेंगे। हमने एक बैठक में 80 फीसदी फैसला कर लिया। अब बाकी 20 फीसदी पर हम दूसरी बैठक में फैसला करेंगे। राज ठाकरे बुधवार रात ग्यारह बजे शिवतीर्थ से निकले। उसी समय देवेन्द्र फडणवीस मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे। रात करीब बारह बजे राज ठाकरे और देवेन्द्र फडणवीस की मुलाकात हुई। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात एयरपोर्ट से दादर इलाके में एक जगह पर हुई थी। राज ठाकरे और देवेन्द्र फडणवीस के बीच मुलाकात में क्या चर्चा हुई इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। बैठक के बाद दोपहर 12:30 बजे देवेंद्र फडनवीस फिर सागर बंगले पहुंचे।

दुष्यंत ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत का फायदा जजपा किसी दूसरे संगठन को कैसे दे सकती है। अब तक कार्यकर्ताओं की मेहनत से जजपा इस मुकाम तक पहुंची है और इस लोकसभा चुनाव में जजपा संगठन की ताकत दिखाएगी। एक अन्य सवाल के जवाब में दुष्यंत ने कहा कि इस बार ताला भी हम लाएंगे और उसमें चाबी भी अपनी लगाएंगे।

सांगली सीट पर शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस आमने-सामने

सांगली लोकसभा सीट को लेकर महाविकास अघाड़ी में शामिल शिवसेना ठाकरे गुट और कांग्रेस में काफी नाराजगी है। ये नाराजगी सांगली में उद्धव ठाकरे की जनसभा में भी देखी जा सकती है। कांग्रेस ने मिर्जे में उद्धव ठाकरे की सभा में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। एक तरफ जहां कांग्रेस उद्धव ठाकरे की बैठक से नदारद रहेगी, वहीं एनसीपी शरद चंद्र पवार गुट मौजूद रहेगा। तो अब ये देखना अहम होगा कि इस जगह का क्या होगा। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष और विधायक विक्रम सावंत को शिवसेना ठाकरे गुट ने सभा के लिए आमंत्रित किया है, लेकिन विधायक विक्रम सावंत ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा स्थिति में सांगली लोकसभा के नतीजे आने तक सभा में न जाने का फैसला किया गया है। हालांकि, एनसीपी शरद पवार गुट ने बैठक में जाने का फैसला किया है। यह जानकारी एनसीपी के शरद पवार गुट के जिला अध्यक्ष संजय बजाज ने दी है। ऐसे में देखा जा सकता है कि सांगली लोकसभा की घटनाओं से महाविकास अघाड़ी में तनाव का माहौल पैदा हो गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ट्रांसजेंडर व अंतर-धार्मिक जोड़ों को भी मिले सुरक्षा

समान-लिंग, ट्रांसजेंडर, अंतर-धार्मिक या अंतर-जाति के जोड़ों की सुरक्षा के लिए सरकार व पुलिस को विशेष ध्यान देना चाहिए। इस तरह के दिशा निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने जारी किए हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने कहा, किसी व्यक्ति की इच्छाओं का पता लगाना एक बात है लेकिन कथित परामर्श की प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति की पहचान और यौन अभिविन्यास पर काबू पाने का प्रयास करना पूरी तरह से अनुचित होगा। लेस्बियन, एलजीबीटीक्यू / अंतर-धार्मिक या अंतर-जातीय जोड़ों से जुड़ी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं या पुलिस सुरक्षा के लिए याचिकाओं से निपटने के लिए दिशानिर्देश जारी करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालतों को समान लिंग, ट्रांसजेंडर, अंतर-धार्मिक जोड़ों को तत्काल पुलिस सुरक्षा देनी चाहिए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत को यह स्वीकार करना चाहिए कि कुछ साझेदारों को सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ सकता है।

इस आधार पर पुलिस सुरक्षा की याचिका पर विचार करते समय कि वे एक ही लिंग, ट्रांसजेंडर, अंतर-धार्मिक या अंतर-जातीय जोड़े हैं, और यह हिंसा और दुर्व्यवहार के गंभीर जोखिम की सीमा निर्धारित करने से पहले, याचिकाकर्ताओं को तुरंत पुलिस सुरक्षा प्रदान करने जैसे एक अंतरिम उपाय देना चाहिए. न्यायालय ने पाया कि केरल उच्च न्यायालय एलजीबीटीक्यू+ की काउंसलिंग का निर्देश देने वाले आदेश पारित कर रहा था। न्यायाधीशों को संविधान द्वारा संरक्षित मूल्यों के स्थान पर अपने स्वयं के व्यक्तिपरक मूल्यों को प्रतिस्थापित करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। वहीं चंद्रचूड़ ने मीडिया और कैमरामैन की एक बहुत बड़ी मांग को पूरा कर दिया है। उन्होंने महज दो महीनों में ही अपने इस वादे को पूरा किया है, दरअसल, पिछले एक दशक से पहले से ही यह मांग उठाई जाती रही है कि सुप्रीम कोर्ट के लॉन में केसों की कवरेज के लिए रोजाना घंटों तक कैमरामेन अपने उपकरण लेकर खड़े रहते हैं और इस वजह से उनके लिए सिर पर छत का इंतजाम किया जाए। सीजेआई चंद्रचूड़ ने मीडिया और कैमरा के लोगों की इस मांग को पूरा कर दिया है। डी वाई चंद्रचूड़ ने दिव्यांगों के लिए हेल्प डेस्क के साथ-साथ इस मीडिया इनक्लोजर का भी फीता काटकर शुभारंभ किया। अब ना केवल उनके बैठने की व्यवस्था है बल्कि पंखें, बिजली सॉकेट और वाटर कूलर का इंतजाम भी किया गया है। सीजेआई के काम उनके मानवीय पक्ष को उजागर करते हैं। पिछले कुछ महीनों में मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने ऐतिहासी फैसले दिए हैं जिससे आम जन को लाभ मिला हैं।

न्यायाधीशों को संविधान द्वारा संरक्षित मूल्यों के स्थान पर अपने स्वयं के व्यक्तिपरक मूल्यों को प्रतिस्थापित करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। वहीं चंद्रचूड़ ने मीडिया और कैमरामैन की एक बहुत बड़ी मांग को पूरा कर दिया है। उन्होंने महज दो महीनों में ही अपने इस वादे को पूरा किया है, दरअसल, पिछले एक दशक से पहले से ही यह मांग उठाई जाती रही है कि सुप्रीम कोर्ट के लॉन में केसों की कवरेज के लिए रोजाना घंटों तक कैमरामेन अपने उपकरण लेकर खड़े रहते हैं और इस वजह से उनके लिए सिर पर छत का इंतजाम किया जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सियासी रेस में कछुआ बाजी मारने में होगा कामयाब?

अतुल मलिकराम

हममे से हर किसी ने कछुए और खरगोश की कहानी जरूर सुनी होगी। खरगोश तेज रफ्तार के बाद भी अति-आत्मविश्वास का शिकार हो जाता है और कछुआ अपनी धीमी रफ्तार से लगातार आगे बढ़ते हुए जीत सुनिश्चित कर लेता है। अगर यूं कहें कि आगामी लोकसभा चुनाव के वर्तमान परिदृश्य में कुछ ऐसी ही स्थिति बनती नजर आ रही है तो संभवत: बहुत से राजनीतिक जानकर इसे मनगढंत कहानी बताएं, लेकिन जैसे जरुरी नहीं कि हर बार तेज तफ्तार ही जीत का आधार बने, वैसे ही यह भी संभव है कि अति-आत्मविश्वास के घोड़े पर सवार एनडीए या बीजेपी को कटी पतंग की तरह गोते खा रही इंडिया अलायंस या कांग्रेस के हाथों मुँह की खानी पड़ जाए।

क्या पता जिस कॉन्फिडेंस के साथ पीएम मोदी ने बीजेपी के लिए 370 और एनडीए के लिए 400 पार का लक्ष्य रखा है, वह सिर्फ एक नारे तक ही सीमित रह जाए, और दिशा विहीन समझे जाने वाली कांग्रेस या विपक्षी गठबंधन, अपने सतत प्रयास के भरोसे, ताबूत की अंतिम कील बनकर उभरे। चूंकि पीएम मोदी का करिश्मा कम से कम बीजेपी कार्यकर्ता और समर्थकों पर तो इस कदर सवार है कि यदि उन्हें नींद से भी उठा कर पूछें तो अबकी बार चार सौ पार का नारा लगाते ही नजर आएंगे लेकिन शायद उनका यही उत्साह उन्हें मतदान केंद्रों तक भी न पहुंचा पाए। चूँकि सब (एनडीए के संभावित मतदाता) यही मानकर चल रहे हैं कि आएगा तो मोदी ही और उनकी यही सोच उन्हें ये भी सोचने पर मजबूर कर दे कि जब आना मोदी को ही है तो फिर उनके एक मत से क्या ही फर्क पड़ना है। और यदि यह विचार इसी दिशा में आगे बड़ा तो बीजेपी या एनडीए को सतर्क हो जाने की जरुरत है। बहरहाल इसे भी राजनीति में पकाये जाने वाले ख्याली पुलाव की श्रेणी में रखा जा सकता है लेकिन कुछ तकनीकी पहलु भी हैं जो फिलहाल कछुए की भूमिका में चल रहे विपक्षी गठबंधन के लिए खरगोश की भांति एकतरफा रेस जीतती दिख रही एनडीए से बाजी छीनने की ओर इशारा करते हैं।

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मोदी ब्रांड के तहत अपनी तैयारियों में जुटी बीजेपी या एनडीए इस कदर आश्वस्त हैं कि मोदी लहर को आंधी बुला रहे हैं, जिसमें पूरे विपक्ष को धूल की तरह उड़ाने की उम्मीद की जा रही है। कुछ हद तक इसे सही भी माना जा सकता है क्योंकि विपक्ष चुनाव से दो महीने पूर्व

भी संगठित नहीं दिख रहा है और एनडीए या बीजेपी के लिए बूथ स्तर पर भी मजबूत संगठन ही सबसे बड़ी ताकत बना हुआ है। लेकिन महज चुनावी माहौल सेट करने के लिए सोशल मीडिया पर जो मोदी का परिवार तैयार हो रहा है, वह किसके दम पर दक्षिण के राज्यों में बढ़ते विरोध को काबू कर पायेगा? क्योंकि मोदी तो 2019 में भी अपनी लहर चला रहे थे लेकिन दक्षिण के राज्यों ने खुद को इस लहर से दूर रखा था। फिलहाल तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल व आँध्रप्रदेश में महज चार सीटों पर बनी बीजेपी के लिए दक्षिण की लगभग सवा सौ सीटों को भेद पाना आसान नहीं होगा। दूसरी ओर कांग्रेस के पास दक्षिण के पांच राज्यों में बेहतर परफॉर्म करने का ट्रैक रिकॉर्ड दर्ज है। हाल में हुए मूड ऑफ द नेशन सर्वे में भी 132 सीटों पर 76 सीटें विपक्षी गठबंधन के पाले में ही दिखाई जा रही हैं। चूंकि चार सौ पार जाने के लिए प्रचंड बहुमत ही एक मात्र सहारा है ऐसे में न केवल हिंदी भाषी बल्कि पूरे देश से एनडीए को भरपूर समर्थन की दरकार होगी। लेकिन फिलहाल उत्तर भारत में सौ फीसदी समर्थन का खांका तैयार कर चल रही बीजेपी को पिछले कुछ पन्ने पलटने की जरुरत है। उत्तर भारत के अंदर आने वाली 320 सीटों के लिए एनडीए या खासकर खुद बीजेपी के लिए पंजाब की 13 सीटों समेत यूपी की 80, राजस्थान की 25 जैसी सभी सीटें जीतने का भारी दवाब होगा। क्योंकि बीजेपी को सहयोगी दलों के भरोसे रहने से अधिक खुद को जोर लगाना होगा, और अपने दम पर ही अधिकतम सीटें हासिल करनी होगी। महाराष्ट्र की 48 सीटें भी ऐसी ही हैं, वहीं बंगाल में सीटों की गिनती ब?ाने की चुनौती भी बीजेपी या एनडीए के लिए आसान नहीं है। ऐसे में यह कह देना कि इस बार भी मोदी की आंधी में सब धुंआ धुंआ हो जाएगा तो गलत होगा।

क्योंकि फिलहाल विपक्षी गठबंधन भले कमजोर नजर आ रहा हो और कांग्रेस को लगातार बागी होते नेताओं का दर्द झेलना पड़ रहा हो लेकिन जम्मू-कश्मीर से 370 हटने के बाद की कोई चुनावी स्थिति सामने न आने, चुनावी लाभ के लिए सीएए को लागू करने और इलेक्टोरल बॉन्ड पर सुप्रीम कोर्ट के रुख से घिरी बीजेपी के लिए सिर्फ राम मंदिर, पीएम मोदी या योगी आदित्यनाथ का चेहरा ही काम नहीं आएगा। विपक्ष के पास भी यही मुद्दा व अवसर है जिसके सहारे आग में घी का किरदार निभाने की कोशिश की जा सकती है और यदि यह कोशिश सही दिशा में आगे ब?ती है तो ये कहना भी गलत नहीं होगा कि कछुआ-खरगोश की इस राजनीतिक रेस में भी कछुआ ही बाजी मारने में कामयाब होगा।

पुर्तगाली अतीत से सनातन संस्कृति की ओर

विवेक शुक्ला

भारतबोध की समझ और रोशनी में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को देखने की ललक आज हर तरफ है। ललक की इस लाली में जहां स्वाधीनता को लेकर भारतीय मूल्य की गहरी जड़ों की हम शिनाख्त कर पाए हैं, वहीं गोवा मुक्ति संघर्ष जैसे सुनहरे पन्ने भारत के गौरवशाली इतिहास से प्रमुखता से जुड़ रहे हैं। गोवा को पुर्तगालियों के 450 सालों के राज से 19 दिसंबर, 1961 को आजादी मिली थी जब भारतीय सेना ने कार्रवाई करते हुए सिर्फ 36 घंटे में गोवा को आजाद कराया था।

गोवा की इमेज इस तरह की बनाई जाती रही कि मानो ये भारत में यूरोप का कोई अंग हो। हां, गोवा पर लंबे समय तक पुर्तगाल का नियंत्रण रहा। उसका असर होना लाजिमी है। अब गोवा अपने सनातन और भारतीय मूल्यों से जुड़ने को बेकरार है। शताब्दियों लंबे विदेशी प्रभाव और हस्तक्षेप के बावजूद गोवा लगातार भारतीय परंपरा के साथ जुड़ा रहा। जिस गोवा के सांस्कृतिक आकर्षण को लेकर कभी एलेक पद्मसी जैसे दिग्गज लेखक कहते थे कि समुद्र के किनारे भारत का यह हिस्सा वेस्टर्न कल्चर का ईस्टर्न गेटवे है, वह गोवा आज सनातन और अध्यात्म के साथ अपने सांस्कृतिक डीएनए पर नाज कर रहा है। इस बात में कहीं कोई दोराय नहीं कि भारतीय स्वाधीनता संघर्ष को विचार और नेतृत्व की एक सीध में देखने की चूक जाने-अनजाने खूब हुई है। पर यह चूक आज दीर्घायु नहीं बल्कि दिवंगत है।

भारतबोध की समझ और रोशनी में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को देखने की ललक आज हर तरफ है। ललक की इस लाली में जहां स्वाधीनता को लेकर भारतीय मूल्य की गहरी जड़ों की हम शिनाख्त कर पाए हैं, वहीं गोवा मुक्ति संघर्ष जैसे सुनहरे पन्ने भारत के गौरवशाली इतिहास से प्रमुखता से जुड़ रहे हैं। गोवा को पुर्तगालियों के 450 सालों के राज से 19 दिसंबर, 1961 को आजादी मिली थी जब भारतीय सेना ने कार्रवाई करते हुए सिर्फ 36 घंटे में गोवा को आजाद कराया था। तब से हर साल 19 दिसंबर को गोवा मुक्तिदिवस मनाया जाता है। समाजवादी चिंतक और राजनेता डॉ. राममनोहर लोहिया ने 18 जून, 1946 को मडगांव में पुर्तगाली औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ गोमंतकों में संघर्ष करने का आह्वान किया था। गोवा के लोग खुद को लोहिया जी का ऋणी मानते हैं, जबकि डॉ. लोहिया कहा करते थे- मेरा गोवा पर नहीं, गोवा का मुझ पर ऋण है। गोवा भारतीय आस्था और परंपरा का स्वर्ण कलश बनके जगमगा रहा है, वह अभूतपूर्व है। बड़ी बात यह कि गोवा की इस चमक में विरासत और विकास का गुणसूत्र भी हमें दिखता है।

बेशक, डॉ. प्रमोद सावंत आज जब अपने प्रदेश की परंपरा और संस्कृति के बारे में बात करते हैं तो यह साफ दिखता है कि वे अपने प्रदेश के विकास और समृद्धि के बीज सनातन मूल्य में देखते हैं, भारत की अध्यात्म यात्रा में देखते हैं। राजनीतिक तौर पर देखें तो गोवा वह राज्य है, जहां जनसंघ के जमाने से भाजपा की जड़ें गहरी रही हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अक्सर कहा करते थे कि गोवा ने न सिर्फ पुर्तगालियों के खिलाफ लंबा संघर्ष किया, बल्कि गुलामी के खिलाफ भारतीय मूल्य और संस्कार का शानदार आदर्श भी दुनिया के सामने रखा। गौरतलब है कि अंग्रेजों ने भारत पर करीब दो सौ साल शासन किया, लेकिन गोवा के लोगों ने साढ़े चार सौ साल तक पुर्तगालियों को सहा। इतिहास बताता है कि तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद गोवा भारत का वह हिस्सा है, जहां मंदिरों का पुनर्निर्माण हुआ। 16वीं शताब्दी में जिस मंदिर को पुर्तगालियों ने नष्ट किया था, उस सप्त कोटेश्वर मंदिर को छत्रपति शिवाजी जी ने बनवाया। आज जब सावंत सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा बनवाए गए इस मंदिर के पुनरुद्धार का बीड़ा उठाया है तो यह निस्संदेह एक बड़ी सांस्कृतिक पहल है। मुख्यमंत्री सावंत का संकल्प और उनकी प्रतिबद्धता गोवा के सांस्कृतिक इतिहास का ऐसा आख्यान साबित होने जा रहा है, जिसका मूल्यांकन महज राजनीतिक आधार पर नहीं किया जा सकता।

गोवा के संबंध में यह महत्वपूर्ण है कि यहां की लगभग 60 फीसद जनसंख्या हिंदू है। ईसाइयों की संख्या 28 फीसद है। खास बात यह है कि यहां के ईसाई समाज में भी हिंदुओं जैसी सामाजिक व्यवस्थाएं और परंपराएं हैं। यहां की निर्माण और वास्तु परंपरा में हिंदू प्रभाव साफ दिखाई देता है। मंगेशी मंदिर, शांता दुर्ग मंदिर, महादेव मंदिर, चंद्रेश्वर भूतनाथ मंदिर, ब्रह्मा मंदिर, महालसा नारायणी मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर, सप्तकोटेश्वर मंदिर और कामाक्षी मंदिर आदि हिंदू आस्था से लंबे समय से जुड़े रहे हैं। दरअसल, 1000-1200 साल पहले तक तो स्थिति यह थी कि गोवा की सांस्कृतिक पहचान कोंकण काशी के रूप में थी।

पिछले एक दशक में देश में विकास और समृद्धि के जो आख्यान लिखे गए, आज गोवा उसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह सौ प्रतिशत घरों में नल से जल और बिजली आपूर्ति करने वाला देश का पहला राज्य है। इतना ही नहीं, यह पहला राज्य है कि जहां प्रत्येक गांव में सड़कें हैं। केंद्र सरकार की योजनाएं लागू करने के मामले में भी गोवा बाकियों के लिए नजीर है। पूरे राज्य में उज्ज्वला योजना सौ प्रतिशत लागू की गई। गोवा आज केरोसीन फ्री स्टेट है। यह शत-प्रतिशत शौचालय निर्माण वाला देश का पहला राज्य है। ऐसी योजनाओं की संख्या एक-दो नहीं, बल्कि 13 हैं, जिनमें गोवा बाकी प्रदेशों के मुकाबले शीर्ष पर है।

होलिका दहन का मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 24 मार्च रविवार को सुबह 09 बजकर 54 मिनट से शुरू होगी। जो रात 11 बजकर 13 मिनट तक है। उस दिन भद्रा की पूंछ शाम 06:33 बजे से शाम 07:53 बजे तक है, वहीं भद्रा का मुख शाम 07:53 बजे से रात 10:06 बजे तक है। होलिका दहन के लिए 1 घंटा 14 मिनट का शुभ समय प्राप्त होगा। होलिका दहन के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 07:34 बजे से अगले दिन सुबह 06:19 बजे तक है, वहीं रवि योग रवि योग सुबह 06:20 बजे से सुबह 07:34 बजे तक है।

भद्रा मुख समाप्त होने के बाद करें होलिका दहन

फाल्गुन पूर्णिमा को प्रदोष काल में होलिका दहन करते हैं, उसके अगले दिन सुबह होली का त्योहार मनाया जाता है। होलिका दहन के समय भद्रा काल नहीं लगना चाहिए। दरअसल, ज्योतिष शास्त्र में भद्रा काल को अशुभ समय बताया गया है। कहा जाता है कि भद्रा काल में होलिका दहन करने से सुख समृद्धि में कमी आती है। इसके अलावा पूर्णिमा प्रदोष काल में होलिका दहन करना उत्तम माना जाता है। अगर प्रदोष काल में भद्र मुख लग जाए तो भद्रा मुख समाप्त होने के बाद होलिका दहन किया जाता है। लेकिन साल 2024 में फाल्गुन पूर्णिमा को प्रदोष काल में भद्रा लगी हुई है, जिस वजह से लोगों को होलिका दहन के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा। होलिका दहन के अगले दिन सुबह में रंगोंवाली होली खेली जाएगी। साल 2024 में होली 25 मार्च दिन सोमवार को है। उस दिन सुबह 06:19 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा।

कब होगा रंग

होलिका दहन के दिन भद्रा का वास पृथ्वी लोक पर सुबह 09:54 बजे से दोपहर 02:20 बजे तक है, वहीं भद्रा का वास पाताल लोक में दोपहर 02:20 बजे से रात 11:13 बजे तक है। फाल्गुन पूर्णिमा तिथि का समापन 25 मार्च सोमवार को दोपहर 12 बजकर 29 मिनट पर होगा। उस दिन उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र प्रात:काल से लेकर सुबह 10:38 बजे तक है। उसके बाद से हस्त नक्षत्र होगा।

पौराणिक कथा

होली मनाने के पीछे शास्त्रों में कई पौराणिक कथा दी गई है। लेकिन इन सबमें सबसे ज्यादा भक्त प्रहलाद और हिरण्यकश्यप की कहानी प्रचलित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, फाल्गुन मास की पूर्णिमा को बुराई पर अच्छाई की जीत को याद करते हुए होलिका दहन किया जाता है। कथा के अनुसार, असुर हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था, लेकिन यह बात हिरण्यकश्यप को बिल्कुल अच्छी नहीं लगती थी। बालक प्रह्लाद को भगवान की भक्ति से विमुख करने का कार्य उसने अपनी बहन होलिका को सौंपा जिसके पास वरदान था कि अग्नि उसके शरीर को जला नहीं सकती। भक्तराज प्रह्लाद को मारने के उद्देश्य से होलिका उन्हें अपनी गोद में लेकर अग्नि में प्रविष्ट हो गयी, लेकिन प्रह्लाद की भक्ति के प्रताप और भगवान की कृपा के फलस्वरूप खुद होलिका ही आग में जल गई। अग्नि में प्रह्लाद के शरीर को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस प्रकार होली का यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है।

हर रंग का होता है खास महत्व

रंग का लोगों के जीवन में खास महत्व है। वहीं रंगों के साथ दुनिया में बेहद खूबसूरत लगती है। यह रंग हमारी आंखों को सुकून पहुंचाते हैं, तो वहीं जीवन में उमंग, प्यार और खूबसूरती को बढ़ाते हैं। लाल रंग को प्यार का प्रतीक माना जाता है। हालांकि होली में लाल रंग का गुलाल जोश और ऊर्जा को जाहिर करता है। प्रकृति की सुंदरता को बढ़ाने वाली हरियाली हरे रंग से आती है। होली के मौके पर आप हरा रंग अपनों से बड़ों को लगा सकते हैं। होली के मौके पर लोग नारंगी रंग का उपयोग भी करते हैं। नारंगी रंग खुशियों, मिलनसारिता और खुशहाली का प्रतीक होता है। आप अपने दोस्तों, करीबियों और परिजनों को लगा सकते हैं। पीले रंग का गुलाल बेहद खूबसूरत लगता है। पीला रंग सुंदरता, पूजा और सम्मान का प्रतीक है। लड़कियों के चेहरे पर पीला रंग काफी आकर्षक लगता है। इसलिए बहनों को, महिला दोस्तों को या घर की महिलाओं को पीले रंग का गुलाल लगा सकते हैं।

हंसना मना है

पहला सरदार: मैंने अपनी वाईफ को 12 वी पास करवाई, फिर, बीए, फिर एमए, और उसकी सरकारी जॉब लगवा दी, अब क्या करूं? दूसरा सरदार: अच्छा लड़का देख कर शादी कर दे!

लड़का: यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त: क्यों? लड़का: जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, तबसे 'चाकू' लेके पीछे पड़ गयी है!

सरदार ट्रेन कि पटरी पर सो गया, एक आदमी बोला- ट्रेन आएगी तो मर जायेगा, सरदार: साले, अभी प्लेन ऊपर से गया, कुछ नहीं हुआ, तो ट्रेन क्या चीज है?

गधा: यार मालिक बहुत मारते है? कुत्ता: घर छोड़ दे? गधा: नही यार! वो हमेशा बेटी से बोलता है, तेरी शादी गधे से कर दुंगा। बस इसी उम्मीद में बैठा हूं!

कहानी — खटमल और जूं

यह कहानी कई वर्ष पुरानी है। उस समय दक्षिण भारत में एक राजा राज किया करता था। राजा के बिस्तर में मंदरीसर्पिणी नाम की एक जूं रहा करती थी, लेकिन इस बारे में राजा को कोई जानकारी नहीं थी। हर रात जब राजा गहरी नींद में सो जाता, तो जूं अपने घर से बाहर निकलती, बड़े चाव से पेट भरकर राजा का खून चूसती और दोबारा जाकर छिप जाती। एक दिन न जाने कहां से उस राजा के बिस्तर में अग्निमुख नामक एक खटमल भी घुस आया। जब जूं ने उसे देखा, तो उसे बहुत गुस्सा आया कि उसके इलाके में एक खटमल घुस आया है। जूं उसके पास गई और उससे तुरंत वापस चले जाने को कहा। इस पर खटमल बोला, अरे जूं बहना, इस तरह का व्यवहार तो कोई अपने दुश्मन के साथ भी नहीं करता। मैं बहुत दूर से आया हूं और सिर्फ एक रात तुम्हारे घर रुक कर आराम करना चाहता हूं। कृपया मुझे यहां रुकने दो। खटमल की बातें सुनकर जूं का दिल पिघल गया। उसने कहा, ठीक है, तुम यहां रुक सकते हो, लेकिन तुम्हारे कारण राजा को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। तुम राजा के आसपास भी नहीं जाओगे। जूं बहन, मैं बहुत दूर से आया हूं और बहुत भूखा हूं। वैसे भी, हर रोज कहां राजा का मीठा खून पीने का मौका मिलता है। कृपया मुझे आज रात राजा के खून का स्वाद चखने का मौका दे दो, खटमल ने विनती करते हुए कहा। जूं, खटमल की बातों में आ गई और उसने उसे राजा का खून चूसने की इजाजत दे दी। ठीक है, तुम राजा के खून का भोजन कर सकते हो, लेकिन उससे पहले तुम्हें राजा के गहरी नींद में सो जाने का इंतजार करना होगा। जब तक राजा पूरी तरह सो नहीं जाता, तब तक तुम उसे नहीं काट सकते, जूं ने कहा। इस पर खटमल ने हां कर दिया और दोनों रात होने का इंतजार करने लगे। रात होते ही राजा अपने कमरे में आया और सोने की तैयारी करने लगा। राजा का शरीर बहुत तंदुरुस्त था और उसकी तोंद बहुत मोटी थी। यह देख कर खटमल के मुंह में पानी आ गया। जैसे ही राजा बिस्तर पर आकर लेटा, खटमल ने न आव देखा न ताव और सीधे जाकर राजा की मोटी तोंद पर जोर से काट लिया और फिर दौड़ कर पलंग के नीचे छिप गया। राजा दर्द के मारे चीख उठा और तुरंत अपने सिपाहियों को कमरे में बुला लिया। राजा ने सिपाहियों को आदेश दिया, सिपाहियों, इस बिस्तर में जरूर कोई खटमल या जूं है। उसे तुरंत ढूंढो और मार डालो। राजा के सिपाहियों ने बिस्तर पर ढूंढना शुरू किया, तो उन्हें बिस्तर में छिपी जूं मिल गई। उन्होंने तुरंत उस जूं को मार डाला और खटमल बच निकला। इस प्रकार खटमल की गलती के कारण बेचारी जूं मारी गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृषभ — संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा।

कर्क — क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु-खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह — नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा।

कन्या — मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें।

तुला — यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं।

वृश्चिक — वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।

धनु — कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर — मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कुम्भ — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है।

मीन — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

यह चुनाव का समय है, मुझे सांस लेने में भी डर लगता है: रजनीकांत

सियासत से मनोरंजन जगत की हस्तियों का ताल्लुक बहुत ही पुराना है, जिन्हें लगता है कि उन्होंने दर्शकों का मनोरंजन बखूबी किया है। वह आगे चलकर राजनीति का हिस्सा बन जाते हैं। अब देश में जहां एक ओर 2024 के लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है, वहीं चेन्नई में सुपरस्टार रजनीकांत ने मजाक-मजाक में कुछ ऐसा कहा है, जिसे फैंस चुनावी माहौल में सितारों के लिए बड़ी नसीहत मान रहे हैं। हाल ही में, रजनीकांत ने तमिलनाडु के चेन्नई में एक लोकप्रिय अस्पताल की शाखा के उद्घाटन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए थलाइवा ने साझा किया कि वह ज्यादा नहीं बोलना चाहते क्योंकि यह चुनाव का समय है और उन्हें सांस लेने में भी डर लग रहा है। अभिनेता का कहना है कि चुनाव के माहौल को देखते हुए उन्हें मुंह खोलने से भी डर लग रहा है। रजनीकांत ने कहा, मैं बिल्कुल भी बोलना नहीं चाहता था, लेकिन मुझसे कुछ शब्द कहने के लिए कहा गया। मैंने पूछा कि क्या कार्यक्रम में कई मीडिया हाउस होंगे। उन्होंने कहा कि कुछ ही होंगे। अब इन सभी कैमरों को देखकर मुझे डर लग रहा है। यह चुनाव का समय भी है। मुझे सांस भी लेने में डर लगता है। अभिनेता की बात सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगे थे। अपने भाषण के दौरान रजनीकांत ने कहा, पहले, जब पूछा जाता था कि कावेरी अस्पताल कहां है, तो लोग कहते थे कि यह कमल हासन के घर के पास है। अब जब पूछा गया कि कमल का घर कहां है तो लोग कहते हैं कि कावेरी अस्पताल के पास है। मीडिया के लोगों से गुजारिश है कि ये सिर्फ सामान्य बातें हैं। यह मत लिखिएगा कि रजनीकांत ने कमल हासन पर कोई तंज किया है।

मजाकिया होना मुर्ख होना नहीं है : सारा

सारा अली खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ए वतन मेरे वतन को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा फिल्म है। सारा के फैंस उन्हें एक क्रांतिकारी के रूप में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। हाल ही में अपनी फिल्म की प्रमोशन के दौरान सारा अपनी निजी जिंदगी और मजाकिया स्वाभाव के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं। सारा अली खान अक्सर बड़े ही प्यार से लोगों से मिलती हैं। सोशल मीडिया पर पैपराजी से बातें करते हुए कई बार वे अपने मशहूर मजाकिया अंदाज में दिखती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सारा ने कहा, जो मेरे करीबी लोग हैं वे जानते हैं कि मैं कब सीरियस होती हूं और कब मजाक कर रही हूं। मैं अक्सर पब्लिक डोमेन में लोगों से हंस कर या कोई जोक क्रैक करके मिलती हूं इसलिए उन्हें लगता है कि मैं जोकर हूं तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है। सारा अपनी

बॉलीवुड | मसाला

बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं फिल्म इंडस्ट्री में हूं, मेरा काम फिल्मों में काम करना है। अगर लोगों को काम पसंद नहीं आए तब मुझे परेशानी होगी। मैं किसी अवॉर्ड नाईट में डांस परफॉर्म करूं और या कोई काम करूं जिसके लिए अगर वे मुझे जज करेंगे तब बुरा लगेगा। मेरे मजाकिया रवैये के वजह से अगर वे कुछ भी बोलते हैं तो मैं ध्यान नहीं देती हूं। हां, पहले जरूर सोचती थी कि क्या मजाकिया लोगों का आत्मसम्मान नहीं होता है। उन्हें भी चीजें बुरी लग सकती हैं, लेकिन अब मैंने ध्यान देना छोड़ दिया है। जब सारा अली खान से पूछा गया क्या उन्होंने कभी लोगों की गुड बुक्स में आने की कोशिश की है। इस सवाल के जवाब में सारा कहती हैं, पहले मैं जरूर कोशिश करती थी कि सब मुझे पसंद करें, लेकिन एक वक्त के बाद आप समझ लेते हैं कि आप सिर्फ खुद को खुश रख सकते हैं। अगर आप दूसरों के बारे में सोचेंगे तो सिर्फ आप अपनी ऊर्जा नष्ट करेंगे। लोग समझदार हैं उन्हें सब पता है और आखिर में सिर्फ आपका काम आपके लिए बोलता है। मैं जानती हूं मैं अतरंगी हूं और मैं लोगों को एक दुरी पर रखने में विश्वास करती हूं।

नहीं बन रही है फिल्म नायक 2

साल 2001 में आई सुपरहिट फिल्म नायक ने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। फिल्म को न सिर्फ दर्शकों ने बल्कि समीक्षकों ने भी इसे सराहा था। अनिल कपूर स्टारर नायक टेलीविजन पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में से एक है। बीते दिनों ही इस फिल्म के सीक्वल की खबर चर्चा में आई। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि फाइटर निर्देशक सिद्धार्थ आनंद नायक का सीक्वल नायक 2 बनाने जा रहे हैं, जिसे मिलन लूथरिया निर्देशित करेंगे, लेकिन ताजा जानकारी के अनुसार, यह खबर फर्जी है, निर्माता दीपक मुकुट ने नायक के सीक्वल की खबर को फर्जी बताया है। साल 2001 में शंकर ने अनिल कपूर के साथ पहली बार राजनीतिक एक्शन एंटरटेनर फिल्म बनाया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वहीं छोटे पर्दे पर भी लोग इस फिल्म को आज भी देखना पसंद करते हैं। लंबे समय से दर्शक इस फिल्म के सीक्वल का इंतजार भी कर रहे हैं। ऐसे में फिल्म के सीक्वल की फर्जी खबर सामने आने से फैंस में भी निराशा है। फिल्म के सीक्वल की खबर सामने आने के बाद निर्माता दीपक मुकुट ने इसे अफवाह बताया। एक साक्षात्कार में दीपक ने कहा कि मैं यह खबर सुनकर काफी हैरान हूं कि सिद्धार्थ आनंद नायक 2 बनाने जा रहे हैं, जबकि फिल्म के राइट्स हमारे पास है। नायक 2 हमारे बिना नहीं बनाई जा सकती। सिद्धार्थ आनंद द्वारा नायक 2 बनाए जाने की खबरें फर्जी हैं। दीपक ने आगे कहा, सिद्धार्थ आनंद और मैंने एक साथ एक फिल्म पर काम करने को लेकर चर्चा की थी। उसी दौरान नायक 2 को लेकर भी चर्चा हुई थी। हालांकि, फिल्म को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए थे। हम पांच साल पहले भी सिद्धार्थ के साथ एक फिल्म करने वाले थे, लेकिन बात नहीं बनी। दीपक ने कहा, उस दौरान निश्चित रूप से नायक 2 बनाने पर चर्चा हुई थी। लेकिन इसे लेकर बात नहीं बनी। हम निश्चित रूप से नायक 2 बनाएंगे, जिसमें एक बड़ा अभिनेता होगा, लेकिन यह सही समय आने पर बनेगा। फिलहाल नायक 2 बनाने की खबर फर्जी है।

निर्माता दीपक मुकट ने फिल्म के सीक्वल की खबर को लेकर तोड़ी चुप्पी

अजब-गजब | अरबों की दौलत, लेकिन नहीं मिला मनचाहा प्यार

अब चौथी महिला से रचाने जा रहा शादी

कहते हैं पैसे से आप प्यार नहीं खरीद सकते। लाटरी किंग के नाम से मशहूर एड्रियन बेफोर्ड के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। 2012 में उन्होंने अपनी पत्नी गिलियन बेफोर्ड के साथ तकरीबन 1500 करोड़ का जैकपॉट जीता था। वे पलभर में इतने अमीर हो गए कि उनके पास सबकुछ आ गया। एकदम बिंदास जिंदगी जीने लगे। लग्जरी कारों का काफिला, आलीशान घर और भी बहुत कुछ आ गया। लेकिन 15 महीनों बाद दोनों का रिश्ता खत्म हो गया। तब से यह शख्स मनचाहे प्यार की तलाश में है। अब चौथी महिला से शादी रचाने की तैयारी कर रहा है। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, लंदन के रहने वाले एड्रियन बेफोर्ड को उम्मीद है कि आखिरकार उसे अपनी मंजिल मिल जाएगी। सच्चे प्यार की तलाश में उसे जो कठिन वक्त झेलना पड़ा, उससे मुक्ति मिलेगी। एड्रियन 45 वर्षीय ट्रेसी बाइल्स के साथ शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं कभी-कभी खुद को ठगा हुआ महसूस करता हूं। सोचता हूं कि मेरे पास क्या कुछ नहीं है। फिर भी लोग मुझसे प्यार क्यों नहीं करते। शायद मेरी किस्मत ही खराब है। लेकिन शायद दुखस्वप्न खत्म होने वाला है। गिलियन बेफोर्ड के जाने के

बाद एड्रियन ने मार्टा जारोज को अपना साथी बनाया। लेकिन शादी से कुछ महीने पहले ही दोनों में मनमुटाव हुआ और अलग हो गए। इसके बाद सामंथा बरब्रिज के साथ छह महीने तक तूफानी रोमांस चला। पर बाद में बरब्रिज भी उन्हें छोड़कर चली गई। 41 साल के एड्रियन म्यूजिक कंपोजिंग के व्यवसाय में हैं। उनका जीवन काफी सुखमय है। लेकिन ऐसा पहले से नहीं था। वे काफी गरीब हुआ करते थे। यहां तक कि जीवनयापन करने के लिए काफी मुश्किलों से गुजर रहे थे। मगर 2012 में एक रात उन्होंने टीवी चालू किया और पाया कि वे लॉटरी किंग बन गए हैं। एड्रियन की पत्नी रहीं गिलियन बेफोर्ड ने लॉटरी जीतने के 15 महीने बाद ही उन्हें तलाक देकर अपने प्रेमी से शादी रचा ली थी। उन्होंने नया घर खरीदा। उनका एक बच्चा भी है। गिलियन ने हाल ही में द सन के साथ बातचीत में अपने और परिवार के रिश्तों के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था, जैसे ही लोगों को पता चला कि हम अमीर हो गए हैं, पैसे मांगने वालों की लाइन लग गई। जबकि उस वक्त भी मेरे पास पैसे नहीं आए थे। मुझे बहुत बुरा लगा। मुझे लगा कि ये लोग काफी लालची हैं। मैं उसी वक्त सबसे रिश्ता खत्म कर लिया था।

महिला ने बदल ली सिर्फ 4 आदतें और सालभर में बचा लिए 6 लाख

महंगाई के इस दौर में हर कोई पैसे बचाना चाहता है, लेकिन खर्चे कम होने का नाम नहीं लेते। ऐसे में ब्रिटेन की एक महिला ने कुछ हैक्स शेयर किए हैं, जो बेहद काम के हैं। उसका दावा है कि उसने अपनी लाइफस्टाइल में मामूली बदलाव किया और सिर्फ 4 आदतें छोड़ दीं। आज वह हर साल 6 लाख रुपये बचा रही है। उसका दावा है कि यह बेहद काम की चीज है और कोई भी इसे आजमाकर देख सकता है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, लंदन की रहने वाली 25 वर्षीय क्रिसी मिलान ने हाल ही में टिकटॉक पर एक वीडियो शेयर किया और अपने अनुभव बताए। उसने कहा, पहले मैं बिना सोचे-समझे पैसे खर्च करती थी। पिछले साल जब मैं थाइलैंड घूमने के लिए गई तो खूब फिजूलखर्ची की। इसके बाद एहसास हुआ कि वह वाकई में पैसे पानी की तरह बहा रही है। अगर इन्हें बचाए तो काफी कुछ इससे कर सकती है। क्रिसी ने कहा, थाईलैंड में एक स्मूथी की कीमत 1।30 डॉलर थी, जबकि ब्रिटेन में 7.60 डॉलर। इसने मुझे सोचने पर मजबूर किया। मैं सोचने लगी कि हम कितना पैसा बर्बाद कर रहे हैं। बदले में हमें क्या मिल रहा है। क्रिसी ने कहा, वहां से लौटते ही मैंने अपने अनावश्यक खर्चों में कटौती शुरू कर दी। नो-खर्च वर्ष मनाने की कसम खाई। मैंने तलाशना शुरू किया कि कौन सी वो चीज है, जो अनावश्यक है, जहां मैं पैसे बर्बाद करती हूं। सबसे पहले लगा कि आलमारियां कपड़ों से भरी हुई हैं। इसके बावजूद हर महीने नए कपड़े खरीदने पर मैं 16 हजार रुपये खर्च करती हूं। सालभर में कितना पैसा मैं बर्बाद कर देती हूं। मैंने तुरंत इस पर रोक लगाई। मैं रोजाना दफ्तर जाते समय कॉफी खरीद रही थी। इसे भी कम कर दिया। मिलान ने कहा, दफ्तर में काम करते वक्त रोजाना मैं लंच खरीदकर करती थी। इस पर हर महीने 24 हजार रुपये खर्च होते थे। मैंने तुरंत इसे बंद कर दिया। दोस्तों के साथ फैंसी डिनर करना बंद कर दिया। घर पर भोजन बनाने लगी। इससे हर महीने मुझे 20 हजार रुपये से ज्यादा की बचत हुई। स्वास्थ्य भी बेहतर होने लगा। अब मुझे कुछ मिस भी नहीं होता। मैं दोस्तों के साथ आज भी डिनर के लिए बाहर जाती हूं, लेकिन उनके साथ सस्ती एक्टिविटीज करना पसंद करती हूं। ये सब चीजें इतनी अच्छी हैं कि मैंने पिछले साल तकरीबन 6 लाख रुपये बचा लिए, और मुझे कोई असुविधा भी नहीं हुई। मैं जो पैसा बचाती हूं, उसे तुरंत इन्वेस्ट करना पसंद करती हूं।

ईवी चार्जिंग नेटवर्क बढ़ाने के लिए अडानी ने महिंद्रा से मिलाया हाथ

» अडानी टोटल एनर्जी ई-मोबिलिटी ने महिंद्रा एंड महिंद्रा के साथ किया करार

» चार्जिंग नेटवर्क, कवरिंग डिस्कवरी, नेविगेशन और ट्रांजैक्शन में मिलेगी सहायता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) के उपयोग में तेजी लाने के लिए ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा और अडानी टोटल गैस की सब्सिडियरी कंपनी अडानी टोटल एनर्जी ई-मोबिलिटी ने एक ऐतिहासिक समझौता किया है। इस समझौते के जरिए दोनों कंपनियां मिलकर ई-मोबिलिटी सॉल्यूशंस उपलब्ध कराएंगी।

कस्टमर्स के लिए चार्जिंग नेटवर्क, कवरिंग डिस्कवरी, नेविगेशन और ट्रांजैक्शन से जुड़े सारे काम इस करार के तहत ही होंगे। इस एमओयू के बाद, एक्सयूवी 400 कस्टमर्स को ब्लूसेंस+ ऐप पर 1,100 चार्जर्स की सुविधा मिल जाएगी। महिंद्रा और एटीईएल के बीच साइन हुआ एमओयू देशभर में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए एक रोडमैप तैयार करेगा।

ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने में मिलेगी मदद : एम एंड एम

ऑटोमोटिव डिवीजन महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के अध्यक्ष विजय नाकरा ने कहा कि हम अडानी टोटल एनर्जी के साथ पार्टनरशिप करके रोमांचित हैं। इस समझौते से ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने में मदद मिलेगी और ये सुनिश्चित करता है कि हमारे ग्राहकों को चार्जिंग नेटवर्क और डिजिटल इंटीग्रेशन तक बिना रुकावट पहुंच का आनंद मिले। पार्टनरशिप नेटवर्क के साथ ग्राहक अनुभव को बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हम ईवी इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय रूप से कई भागीदारों को शामिल कर रहे हैं जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाया जा सके। सीओपी 26 प्रतिबद्धताओं के अनुरूप, महिंद्रा और एटीईएल के बीच यह पार्टनरशिप परिवहन को डीकार्बोनाइज करने और इलेक्ट्रिक और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोगात्मक प्रयासों का एक प्रमाण है।

'भारत की जलवायु सुधारने में होगा सहयोग'

इस मौके पर अडानी टोटल गैस के सीईओ सुरेश मंगलानी ने कहा कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा के साथ इस सहयोग से कस्टमर्स का ईवी टेक्नोलॉजी के प्रति रुझान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत अपने जलवायु को सुधारने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी अपनी भागीदारी बढ़ा पाएगा। ईवी क्षेत्र में अडानी टोटल गैस लिमिटेड का विस्तार करने की दिशा में यह एक और कदम है।

तीन रिटायर्ड इंजीनियरों से होगी रिकवरी

» गलत नक्शा पास कराने का लगा है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महानगर में बिल्डिंग का गलत नक्शा पास करने वाले तीन सेवानिवृत्त इंजीनियरों पर बड़ी कार्रवाई करेगा एलडीए। लखनऊ विकास प्राधिकरण ऐसे अधिकारियों से रिकवरी करेगा।

हालांकि ये तीनों इंजीनियर 3 साल पहले रिटायर हो चुके हैं। लेकिन नौकरी के दौरान उन लोगों ने नियमों को ताक पर रख महानगर स्थित शंकरपुरवा में बिल्डर को फायदा पहुंचाने के लिए बिल्डिंग का गलत नक्शा पास कर दियाय। अब एलडीए वीसी की सख्ती के बाद इंजीनियरों से सिविल सूट तैयार कर रिकवरी कराने की तैयारी है। मामले में अन्य चार के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई होगी। अभी तक एलडीए के कुल सात इंजीनियरों को आरोपी बताया गया था।

सीएजी ऑडिट में हुआ खुलासा

मामले का खेल सीएजी ऑडिट में खुला। इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई। इन इंजीनियरों के खिलाफ अनुशासनिक जांच बैठाई गई है। लेकिन इसमें से तीन इंजीनियरों को रिटायर हुए तीन वर्ष से अधिक हो गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने जांच के बाद इस मामले में तत्कालीन अवर अभियंता बीसी सिंह जरिया, रमापति वर्मा, सहायक अभियंता नसीर अहमद, अधिशासी अभियंता प्रदीप कुमार, अवर अभियंता गंगेश कुमार, सहायक अभियंता जेके कंसल और दूधनाथ को जिम्मेदार ठहराया गया था। अब शासन ने इसमें से अधिशासी अभियंता प्रदीप कुमार, जेके कंसल व दूधनाथ को सेवानिवृत्ति होने की वजह से विभागीय कार्रवाई से मुक्त कर दिया है।

ईडब्ल्यूएस की जगह बड़े-बड़े फ्लैट का नक्शा किया पास

दरअसल, गरीबों के लिए इस टाउनशिप में ईडब्ल्यूएस व एलआईसी का नक्शा ही नहीं पास किया गया। उसकी जगह भी बड़े बड़े फ्लैट का नक्शा पास कर दिया। अब शासन के विशेष सचिव उदयभानु त्रिपाठी ने मामले में 15 मार्च 2024 को एलडीए उपाध्यक्ष डा. इन्द्रमणि त्रिपाठी को पत्र लिखा है। कहा है कि अगर इनके द्वारा प्रकरण में कोई वित्तीय अनियमितता की गई है तो उसकी आनुपातिक रूप से देयता निर्धारित की जाए। इसके बाद नियमानुसार सिविल सूट तैयार कर इसकी वसूली करायी जाए। महानगर के खसरा संख्या 166 से 171 तथा 180, 181, 183, 203, 205 तथा 206 पर एलडीए के तत्कालीन इंजीनियरों ने ग्रुप हाउसिंग का नक्शा पास किया था। सरकार की नीति के अनुसार टाउनशिप में 20 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस और एलआईजी के मकान बनाना अनिवार्य हैं। एलडीए के इंजीनियरों को इन मानकों के अनुसार ही नक्शा पास करना था। लेकिन इंजीनियरों ने बिल्डर को फायदा पहुंचाने के लिए ईडब्ल्यूएस और एलआईजी के मकान बनाने के मानक का पालन नहीं किया। एलडीए के इंजीनियरों ने 18 जून 2011 को इसका नक्शा पास किया था।

दक्षिण पर भाजपा की नजर, उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी कर दी। इसमें पूर्व राज्यपाल तमिलसाई सौन्दर्यराजन, पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई और केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन सहित राज्य से नौ उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। सूची के मुताबिक, सौन्दर्यराजन चेन्नई दक्षिण से चुनाव लड़ेंगी जबकि मुरुगन नीलगिरी से पार्टी के उम्मीदवार होंगे।

अन्नामलाई को कोयम्बटूर लोकसभा सीट से टिकट दिया गया है। पार्टी ने मध्य चेन्नई सीट से वी. पी. सेलवम, वेलोर से ए. सी. षणमुगम, कृष्णागिरी से सी. नरसिम्हन, पेराम्बलूर से टी. आर. पारिवेंदर और तूतीकोरिन (तूतुकुड़ी) से एन. नागेन्द्रन को उम्मीदवार बनाया गया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया महाराजा बिजली पासी पीजी कॉलेज का वार्षिकोत्सव

» छात्र-छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने जीता दिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आशियाना में स्थित महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव स्पंदन गुरुवार 21 मार्च को धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन रामलला के वस्त्रों की रचना करने वाले देश के जाने-माने फैशन डिजाइनर मनीष त्रिपाठी ने किया। मनीष त्रिपाठी वर्तमान समय में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सेक्टर कौशल परिषद में सलाहकार भी हैं।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं प्राचार्या प्रोफेसर सुमन गुप्ता के द्वारा मुख्य अतिथि के स्वागत से हुआ। कार्यक्रम में डॉ. सनोबर हैदर ने महाविद्यालय की सत्र 2023-24 की वार्षिक आख्या प्रस्तुत की। इसके बाद महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। जिनमें रामायण सार, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं भारत के विभिन्न पर्व तथा बॉलीवुड में श्वेत श्याम से रंगीन चलचित्रों तक का सफर नृत्य के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय के विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ मोहम्मद तारिक एवं डॉ रश्मि यादव का अलंकरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता मिश्रा एवं डॉ. राघवेंद्र मिश्रा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्रवक्ता एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आज से शुरू होगा क्रिकेट के त्यौहार का जश्न

» चेन्नई में सीएसके और आरसीबी के बीच खेला जाएगा आईपीएल के 17वें सीजन का पहला मुकाबला

» नए कप्तान के साथ उतरेगी चेन्नई सुपरकिंग्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। क्रिकेट का त्यौहार कहे जाने वाले इंडियन प्रीमियर लीग यानी की आईपीएल के 17वें सीजन का आगाज आज यानी शुक्रवार 22 मार्च से हो रहा है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला आज चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा।

सबसे बड़ी बात कि इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स की कप्तानी महेंद्र सिंह धोनी के हाथों में नहीं होगी। सीएसके ने मैच से एक दिन पहले यानी कल ही अपने नए कप्तान का ऐलान किया था, जिसके मुताबिक टीम की कमान इस बार धोनी की जगह युवा धुरंधर ऋतुराज गायकवाड़ के हाथों में होगी। तो वहीं आरसीबी की कप्तानी फॉफ डु प्लेसिस ही करते दिखाई देंगे।

दो महीने बाद क्रिकेट के मैदन पर वापसी करेंगे कोहली

चेन्नई की कमान अब 42 साल के धोनी के हाथ से निकलकर युवा ऋतुराज गायकवाड़ के पास आ गई है। उधर, क्रिकेट की गजब की समझ रखने वाला धोनी का दिमाग पहले की तरह ही चुस्त है। ऐसे में युवाओं पर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी होगी। वहीं आरसीबी के लिए दो महीने के ब्रेक के बाद मैदान पर लौट रहे विराट कोहली और कप्तान फाफ डु प्लेसी पर रन बनाने की जिम्मेदारी होगी।

छठे खिताब पर रहेंगी सीएसके की निगाहें

पांच बार की चैम्पियन और पिछली बार की विजेता चेन्नई की नजरें रिकॉर्ड छठे खिताब पर है। दूसरी ओर आरसीबी पहली बार खिताब पर कब्जाने के लिए ताकत झोंकेगी। सीएसके और आरसीबी की टीमें आईपीएल में अब तक 31 बार आमने-सामने हुई हैं। इस दौरान चेन्नई ने 20 मुकाबले जीते, जबकि बंगलुरु ने 10 में जीत हासिल की। एक मैच बेनतीजा रहा।

शराब घोटाले में जारी गिरफ्तारियों का सिलसिला

» दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों हुए अरेस्ट

» 2022 में हुई थी पहली गिरफ्तारी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में आए दिन गिरफ्तारियां हो रही हैं। यह एक ऐसा मामला बन गया है जिसमें अभी तक कुछ साफ भी नहीं हो पा रहा है लेकिन बड़ी-बड़ी गिरफ्तारियां लगातार होती जा रही हैं। इस पूरे मामले में सबसे अधिक मुश्किलों का पहाड़ टूटा है दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी आम आदमी पार्टी पर। आप के कई नेता इस मामले में अब तक सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं। बीती रात दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी अंततः प्रवर्तन निदेशालय यानी की ईडी ने गिरफ्तार कर लिया।

केजरीवाल को ईडी अब तक 9 समन जारी कर चुकी थी, लेकिन केजरीवाल इन समनों को नजरअंदाज करते आए थे। इसके बाद केजरीवाल ने कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया था, लेकिन कल ही कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इंकार कर दिया था। जिसके कुछ घंटों बाद ही ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। केजरीवाल की गिरफ्तारी इस मामले में नई और सबसे बड़ी गिरफ्तारी है। जाहिर है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी दिल्ली हाई कोर्ट से उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े धनशोधन के पहलू की जांच के सिलसिले में किसी भी तरह की सुरक्षा देने से इनकार करने के कुछ घंटों बाद हुई है। सबसे बड़ी बात कि इस कथित शराब घोटाले मामले में यह 16वीं गिरफ्तारी है। बता दें कि कथित शराब घोटाला मामले में पहली गिरफ्तारी 2022 में हुई थी। तब ईडी ने समीर महेंद्रू को 28 सितंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। महेंद्रू देश के बड़े शराब कारोबारी हैं। महेंद्रू पर आरोप है कि उसने कथित खराब घोटाला के में दो भुगतान किए थे। इनमें से पहला दिल्ली के तत्कालीन उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के करीबी सहयोगी दिनेश अरोड़ा को एक करोड़ रुपये दिए गए थे जबकि दूसरा भुगतान गुरुग्राम स्थित कथित बिचौलिए अर्जुन पांडे को लगभग 2 से 4 करोड़ रुपये दिए गए थे। एजेंसी का दावा है कि पांडे ने विजय नायर के कहने पर रुपयों की वसूली की थी।

अब तक 16 लोगों को किया जा चुका है गिरफ्तार

ये लोग किये जा चुके हैं अरेस्ट

कथित दिल्ली शराब घोटाला केस में अब तक समीर महेंद्रू, पी शरत चंद्र रेड्डी, बिनॉय बाबू, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अमित अरोड़ा को गिरफ्तार कर चुकी है। ये गिरफ्तारियां 2022 में हुई हैं। इनके अलावा 2023 में ईडी ने गौतम मल्होत्रा, राजेश जोशी, राघव मगुंटा, अमन धाल, अरुण पिल्लई, मनीष सिसोदिया, दिनेश अरोड़ा और संजय सिंह को गिरफ्तार किया है। 2024 में अब तक केजरीवाल की दूसरी गिरफ्तारी है।

एक सप्ताह पहले ही हुई थी के. कविता की गिरफ्तारी

इससे पूर्व एक सप्ताह पहले ही 15 मार्च को ईडी ने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी और भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। उन पर भी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं। दिल्ली शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को ईडी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इस मामले में अब चौथी हाई प्रोफाइल गिरफ्तारी की गई है। इन नेताओं को पीएमएलए के सेक्शन 3 और सेक्शन 4 के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

के. कविता को जमानत देने से 'सुप्रीम' इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में ईडी द्वारा गिरफ्तार की गईं बीआरएस नेता और तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली नहीं है। अदालत ने कविता को जमानत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कविता की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर एक नोटिस भी जारी किया है। अदालत का कहना है कि कविता निचली अदालत में जा सकती हैं या जमानत के लिए कोई और उपाय अपना सकती हैं। अगर जमानत याचिका दायर की जाती है तो उस पर तेजी से फैसला किया जा सकता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने प्रोटोकॉल की अनदेखी नहीं करने का आदेश दिया। कहा कि सभी के लिए एक समान नीति का पालन करना होगा और जमानत के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट आने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

2जी स्पेक्ट्रम घोटाले में बरी हुए ए. राजा व अन्य को हाईकोर्ट से झटका

» उच्च न्यायालय ने आरोपियों को बरी करने के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका स्वीकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला मामले से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला मामले में पूर्व दूरसंचार मंत्री ए राजा, कंपनियों और अन्य को बरी करने के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की अपील को स्वीकार कर लिया है।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने कहा कि रिकॉर्ड में लाई गई सामग्री और पक्षकारों के वकीलों की दलीलों के आधार पर सीबीआई की ओर से दृष्टया मामला बनता है। इसके लिए गहन जांच की आवश्यकता है और अपील पर विस्तार से सुनवाई की आवश्यकता है। पीठ ने इसके साथ ही अपील की अनुमति दी और इस मामले को मई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

पीएम की औरंगजेब से तुलना राष्ट्र का अपमानः शिंदे

» संजय राउत के बयान पर सीएम एकनाथ शिंदे ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना औरंगजेब से करने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अब पलटवार करते हुए विपक्ष पर करारा हमला बोला है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम शिंदे ने कहा कि उनकी (संजय राउत) ये टिप्पणी राष्ट्र का अपमान है।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी जिन्होंने बालासाहेब ठाकरे की राम मंदिर के सपने को पूरा किया, उनकी तुलना औरंगजेब से की जा रही है। यह राष्ट्र का अपमान है। जनता उन्हें चुनाव में इसका जवाब देगी। शिंदे ने आगे कहा कि पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 हटाकर बाला साहेब ठाकरे का सपना पूरा किया है। इसके बावजूद वे पीएम मोदी की तुलना औरंगजेब से कर रहे हैं।

राउत ने ये कहते हुए की थी तुलना

बता दें कि संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला करने के लिए पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के गुजरात लिंक का सहारा लिया था। उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र को 400 साल पहले औरंगजेब के रूप में संकट का सामना करना पड़ा था। औरंगजेब ने जो भी कुछ किया, वह अब दिल्ली में बैठे दो नेता कर रहे हैं। औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ था और मोहम्मद अली जिन्ना का भी। संजय राउत ने आगे कहा था कि देश की स्थिति शर्मनाक है। औरंगजेब सभी से बहुत प्यार से बात करता था और इसी तरह से उसने साम्राज्य पर कब्जा कर लिया था। उसने फूट डालो और शासन करो की रणनीति अपनाई थी। गुजरात के दो लोग, जो दिल्ली गए हैं वे भी कुछ ऐसा ही कर रहे हैं। इतिहास अपने आप को दोहरा रहा है।

ईडी के निशाने पर ममता के एक और मंत्री

» बंगाल सरकार के कैबिनेट मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा के घर पर हुई छापेमारी

» स्कूल भर्ती घोटाला मामले में हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। लोकसभा चुनाव करीब आते ही ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स जैसी सरकारी एजेंसियों की हलचल भी तेज हो गई है। पश्चिम बंगाल के करोड़ों रुपये के स्कूल भर्ती घोटाला मामले में ममता बनर्जी सरकार के एक और मंत्री तक प्रवर्तन निदेशालय की आंच पहुंच गई है। ईडी ने इस सिलसिले में आज राज्यभर में पांच जगहों पर छापेमारी की है। इनमें राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा का घर भी शामिल है।

सिन्हा बीरभूम जिले के बोलपुर से टीएमसी विधायक हैं और ममता बनर्जी की सरकार में एमएसएमई और कपड़ा मंत्री हैं। आज सुबह जब प्रवर्तन निदेशालय की टीम छापेमारी करने उनके घर पहुंची तो वह अपने घर पर मौजूद नहीं थे। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोलकाता, उत्तर 24 परगना और बीरभूम में पांच जगहों पर एक साथ छापेमारी की जा रही है। अधिकारी के मुताबिक, कोलकाता और उत्तर 24 परगना में केंद्रीय एजेंसी के अफसरों ने एक बिजनेसमैन और एक टैक्स कंसल्टेंट के घर पर छापेमारी कर तलाशी ली है।

अभिषेक बनर्जी से भी हो चुकी है पूछताछ

2023 में इसी घोटाले के सिलसिले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे, टीएमसी सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से भी सीबीआई और ईडी ने पूछताछ की थी। पिछले साल अक्टूबर में, अभिषेक बनर्जी के पिता, अमित बनर्जी (ममता बनर्जी के छोटे भाई-बहनों में से एक) और उनकी मां लता बनर्जी स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर एजेंसी के सामने पेश नहीं हो सके थे। हालांकि, अभिषेक की पत्नी रुजिरा बनर्जी को जांच का सामना करना पड़ा था।

2022 में हाईकोर्ट ने दिए थे सीबीआई जांच के आदेश

कलकत्ता हाई कोर्ट ने मई 2022 में इस मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। आरोप है कि पैसे लेकर सरकारी स्कूलों में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की गई थीं। सीबीआई ने जब जांच शुरू की तो इसमें मनी लॉन्ड्रिंग की बात सामने आई। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय अवैध लेन-देन की छानबीन कर रहा है। इसी सिलसिले में ये छापेमारी की गई है। पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी सहित तृणमूल कांग्रेस के तीन विधायकों को घोटाले में उनकी कथित संलिप्तता के आरोप में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वे अब न्यायिक हिरासत में हैं। बता दें कि इस घोटाले की सीबीआई से जांच का आदेश देने वाले कलकत्ता हाई कोर्ट के तत्कालीन न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने हाल ही में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और वह भाजपा में शामिल हो गए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।